बिज़नेस भास्कर
dainikbhaskar.com
Business Standard और Bloomberg की खबरों के साथ
दैनिक भास्कर, जयपुर, शनिवार, 01 जून, 2024 | 17

बिग प्लान • ऑटोमोबाइल सेक्टर 2024-25 में नए मॉडल, क्षमता विस्तार पर खर्च बढ़ाएगा

कार इंडस्ट्री में 1 लाख करोड़ का निवेश

बिज़नेस संवाददाता | मुंबई

तगड़ी बिक्री को देखते हुए देश की टॉप-4 कार कंपनियां अगले एक साल में क्षमता विस्तार और प्रोडक्ट डेवलपमेंट पर 93,180 करोड़ रुपए खर्च (कैपेक्स) करेंगी। मारुति सुजुकी, ह्युंडई मोटर्स, टाटा मोटर्स और महिंद्रा इनमें शामिल हैं। इनमें यदि निसान-रेनो अलायंस और जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर की योजना को जोड़ दें तो कुल निवेश 1 लाख करोड़ से ऊपर निकल जाएगा।

दरअसल, 31 मार्च को खत्म वित्त वर्ष 2023-24 में 42.3 लाख कारें बिकीं। टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाटा सन्स के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने शुक्रवार को कहा, 'कारों की सालाना बिक्री 50 लाख से ऊपर निकलने के आसार नजर आ रहे हैं।' कंपनियां ये डिमांड पूरी करने की तैयारी में जुट गई हैं। कुछ कंपनियां नए मॉडल ला रही हैं और कुछ उत्पादन क्षमता बढ़ा रही हैं।

प्रतिस्पर्धा बढ़ी, ज्यादातर कार कंपनियों का फोकस अब नई टेक्नोलॉजी और प्रोडक्ट डेवलपमेंट पर

मारुति सुजुकी	ह्युंडई इंडिया	टाटा मोटर्स	महिंद्रा एंड महिंद्रा	जेएसडब्ल्यू एमजी	निसान-रेनो
दशक के मध्य तक 50% बाजार हिस्सेदारी वापस पाना, नए मॉडलों की लॉन्चिंग और क्षमता विस्तार।	मैन्युफैक्चरिंग क्षमता बढ़ाना, नए मॉडल उतारना और बैटरी पैक एसेंबली प्लांट लगाना।	नए मॉडलों की लॉन्चिंग, नई टेक्नोलॉजी का विकास और जगुआर लैंड रोवर की उत्पादन क्षमता बढ़ाना।	प्रोडक्ट डेवलपमेंट, क्षमता विस्तार और ऑटोमोटिव डिविजन में नई टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल बढ़ाना।	क्षमता विस्तार पर जोर। कंपनी इस साल सितंबर से हर 3-6 महीने में एक नई कार लॉन्च करेगी। ईवी पर फोकस।	नया निवेश के केंद्र में एसयूवी। इस पार्टनरशिप के तहत भारत में चार नई एसयूवी लॉन्च की जाएंगी।

चालू वित्त वर्ष के लिए कार कंपनियों का कैपेक्स प्लान

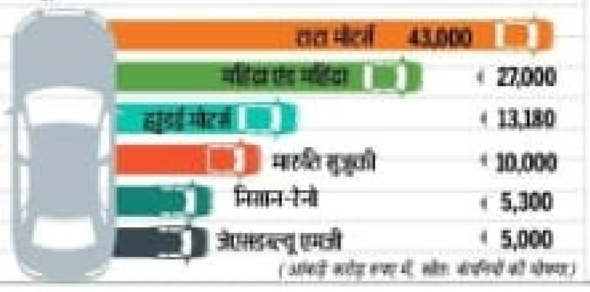

(आंकड़े करोड़ रुपए में, स्रोत: कंपनियों की योजना)

ईवी के बावजूद 5-7 साल बनी रहेगी पेट्रोल-डीजल गाड़ियों की अच्छी डिमांड

महिंद्रा एंड महिंद्रा के एमडी और सीईओ अनीश शाह के मुताबिक, कंपनी पेट्रोल-डीजल गाड़ियों को नजरअंदाज नहीं करेगी। अगले 5-7 साल ऐसी कारें और एसयूवी की जोरदार मांग बनी रहेगी। इसे देखते हुए कंपनी ने इनपर 14,000 करोड़ रुपए खर्च करने की योजना बनाई है, ताकि एसयूवी का शानदार पोर्टफोलियो बना रहे।

ग्लोबल इंडेक्स में 13 नए भारतीय शेयर, इनमें आएंगे 17 हजार करोड़

ग्लोबल बेंचमार्क इंडेक्स में अब 146 भारतीय शेयर

बिज़नेस संवाददाता | मुंबई।

शुक्रवार को शेयर बाजार बंद होने के बाद एमएससीआई इंडेक्स की रीबैलेंसिंग लागू हो गई। उभरते बाजारों को ट्रैक करने वाले एमएससीआई ग्लोबल स्टैंडर्ड इंडेक्स में 13 नए भारतीय शेयर जुड़े और 3 बाहर हो गए। इंडेक्स में भारतीय शेयरों की संख्या 136 से बढ़कर 146 हो गई। रीबैलेंसिंग के बाद एमएससीआई इंडेक्स में भारत का वेटेज 18.2% से बढ़कर 18.8% हो गया, जबकि चीन का 25.4% से घटकर 25% रह गया। एमएससीआई (मॉर्गन स्टेनली कैपिटल इंटरनेशनल) इंडेक्स ग्लोबल इक्विटी मार्केट्स का बेंचमार्क है। इसे हर 3 और 6 महीने में रीबैलेंस किया जाता है। इसमें कंपनियों को मार्केट कैप और अन्य मानकों के आधार पर जोड़ा या हटाया जाता है।

इंडस टावर्स, पीबी फिनटेक में सर्वाधिक निवेश के आसार

नुवामा इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज का अनुमान है कि एमएससीआई इंडेक्स में शामिल होने से इंडस टावर्स में 1870 करोड़, पीबी फिनटेक में 1860 करोड़ और फीनिक्स मिल्स में 1777 करोड़ निवेश हो सकता है। 1,700 करोड़ अन्य शेयरों में भी आने की उम्मीद है।

ग्लोबल इंडेक्स में इनकी एंट्री

पीबी फिनटेक, सुंदरम फाइनेंस, एनएचपीसी, फीनिक्स मिल्स, इंडस टावर्स, बॉश, जिंदल स्टेनलेस, सोलर इंडस्ट्रीज, टोरेंट पावर, मैनकाइंड फार्मा, जेएसडब्ल्यू एनर्जी, केनरा बैंक और थर्मैक्स।

इन्हें हटाया, डाउनग्रेड किया गया

बर्जर पेंट्स को एमएससीआई इंडेक्स से हटा दिया जाएगा, जबकि इंद्रप्रस्थ गैस और पेटीएम की मूल कंपनी वन 97 कम्युनिकेशंस को मिड-कैप से स्मॉल-कैप में डाउनग्रेड कर दिया गया है।

जीडीपी पर दिग्गजों की राय

इंडस्ट्री और सर्विस, दोनों सेक्टरों में तेज रफ्तार ग्रोथ

2023-24 में घरेलू अर्थव्यवस्था में इंडस्ट्री और सर्विस, दोनों सेक्टरों में तेज ग्रोथ देखी गई। इसके चलते जीडीपी ग्रोथ अनुमान से ज्यादा रही।

• रियल एस्टेट
-हरि बाबू, प्रेसिडेंट, नरेडको

जनवरी-मार्च के दौरान तेज आर्थिक विकास में रियल एस्टेट सेक्टर का बड़ा योगदान रहा। ये इस लिहाज से महत्वपूर्ण है कि यह देश में दूसरा सबसे ज्यादा रोजगार देने वाला सेक्टर है। हमें उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2024-25 में भी घरेलू अर्थव्यवस्था 7 फीसदी से ज्यादा रफ्तार से बढ़ेगी।

• शेयर बाजार
-सुजन हाजरा, चीफ इकोनॉमिस्ट, आनंद राठी शेयर्स एंड स्टॉक

जीडीपी ग्रोथ हमारी उम्मीदों से ज्यादा है। यह मजबूत प्रदर्शन लगातार तेज निवेश की वजह से है। इस साल हम निजी खपत में ज्यादा तेज बढ़ोतरी और निवेश वृद्धि में मामूली मंदी की उम्मीद करते हैं।

• फाइनेंशियल सर्विसेज
-रजनी सिन्हा, चीफ इकोनॉमिस्ट, केयरएज

2023-24 की जीडीपी ग्रोथ में तेज उछाल एक तरह से सकारात्मक हैरत के रूप में सामने आई है। चौथी तिमाही की सकल मूल्यवर्द्धन (जीवीए) की वृद्धि उम्मीदों के अनुरूप ही है। हालांकि चिंताजनक पहलू ये है कि निजी खपत में वृद्धि कमजोर बनी हुई है। इसके चलते हमें चालू वित्त वर्ष में करीब 7 फीसदी जीडीपी ग्रोथ की उम्मीद है। हालांकि ये ज्यादा भी हो सकता है।

• एमएसएमई
-रितु प्रकाश सिंह, सीनियर इकोनॉमिस्ट, यू ग्रो कैपिटल

विशेष रूप से कंस्ट्रक्शन, मैन्युफैक्चरिंग और सरकारी खर्च में जोरदार बढ़ोतरी के चलते जीडीपी ग्रोथ में उत्साहजनक उछाल दिख रही है। जीडीपी में प्रमुख योगदान करने वाला सेक्टर होने के नाते चालू वित्त वर्ष में एमएसएमई को औपचारिक ऋण सक्षमता (बैंकों से आसान लोन) से बहुत फायदा मिलने की उम्मीद है।

• एग्रीकल्चर सेक्टर
निखिल गुप्ता, चीफ इकोनॉमिस्ट, मोतीलाल ओसवाल ग्रुप

वास्तविक जीवीए, हमारे अनुमान 5.9% से ज्यादा है। बेहतर ग्रोथ खास तौर पर पूरी तरह से कृषि क्षेत्र के कारण रही, जिसमें हमने 0.6% की वास्तविक वृद्धि के मुकाबले 1.8% की गिरावट की आशंका जताई थी। वैसे इस तरह की अच्छी वृद्धि के चलते निकट अवधि में ब्याज दरों में कटौती की संभावना कम हो गई है।

तारीखें याद रखिए

सोमवार, 3 जून
- एफएंडओ सेगमेंट में ट्रेडिंग के नियमों में बदलाव लागू होंगे।

शुक्रवार, 7 जून
- रिजर्व बैंक मौद्रिक नीति की तीन दिवसीय समीक्षा बैठक के फैसलों का ऐलान करेगा।

जयपुर के 18 औद्योगिक क्षेत्रों में पावर ट्रिपिंग से हर दिन 15 से 20 करोड़ रुपए का नुकसान

24 घंटे में सीतापुरा व विश्वकर्मा औद्योगिक क्षेत्र 2 से 7 तथा जैतपुरा, सरना डूंगर, बगरू में 10 से 15 बार पावर ट्रिपिंग

बिज़नेस रिपोर्टर | जयपुर

प्रदेश में बढ़ता पारा आम लोगों के साथ उद्योगों को भी बीमार कर रहा है। दरअसल, गर्मी बढ़ने से औद्योगिक क्षेत्रों में पावर ट्रिपिंग बढ़ गई है। बिना पूर्व सूचना कभी भी बिजली गुल होने से बड़ी मशीनों को दुबारा शुरू करने में वक्त लगने से उत्पादन प्रभावित हो रहा है। इसके अलावा बार-बार ट्रिपिंग से मशीनें व अन्य उपकरण खराब हो रहे हैं। बता दें, इन दिनों औद्योगिक क्षेत्रों में 24 घंटे में 5 से 15 बार पावर ट्रिप हो रही है। ट्रिपिंग को लेकर दूर-दराज के औद्योगिक क्षेत्रों की हालत ज्यादा खराब है। पावर ट्रिपिंग से बॉयलर और कास्टिंग आधारित प्लास्टिक, रबड़ और स्टील इंडस्ट्री को काफी नुकसान हो रहा है। इसके चलते जयपुर के 18 औद्योगिक क्षेत्रों में हर दिन 15 से 20 करोड़ रुपए का नुकसान होने का अनुमान है। जयपुर में 2,000 मोल्डिंग आधारित उद्योग हैं। इनमें प्लास्टिक पाइप, प्लास्टिक उत्पाद, रबड़ उत्पाद, फुटवियर, केबल, स्टील सरिया और एंगल उद्योगों को पावर कट के कारण ज्यादा परेशानी हो रही है। उद्यमियों का कहना है कि सरकार ने पावर बैंकिंग एक्सचेंज से मई-जून में बिजली लौटाने की शर्त पर दिसंबर में कृषि की आपूर्ति के लिए बिजली ली थी। जबकि मई-जून में बिजली की जरूरत सबसे ज्यादा होती है।

'बिजली की मांग-आपूर्ति की दूरगामी योजना बनाए, सोलर-विंड प्रोजेक्ट को मिले बढ़ावा'

सरकार को बिजली की मांग व आपूर्ति को लेकर दूरगामी योजना बनानी चाहिए, जबकि बिजली विभाग के अधिकारी तात्कालिक समस्या का समाधान करने में लगे रहते हैं। यदि उद्योगों को पर्याप्त बिजली उपलब्ध नहीं कराएंगे तो औद्योगिक निवेश कैसे आकर्षित होगा।
-सुरेश अग्रवाल, अध्यक्ष, फोर्टी

बिजली कटौती के मुकाबले ट्रिपिंग से उद्योगों को ज्यादा नुकसान होता है। घोषित कटौती के लिए उद्योग तैयार रहते हैं, लेकिन ट्रिपिंग कभी भी हो सकती है। ऐसे में उद्योगों के तैयार नहीं होने से रॉ-मैटेरियल वेस्टेज बढ़ता है। बॉयलर और मोल्डिंग उद्योगों को भारी नुकसान होता है।
-जगदीश सोमानी, अध्यक्ष, वीकेआई एसोसिएशन

जैतपुरा औद्योगिक क्षेत्र में दिन में 15 बार तक पावर ट्रिपिंग होने लगी है। इससे उद्योगों को काफी नुकसान हो रहा है। बहुत सी इंडस्ट्रीज के लिए बिजली ही रॉ-मैटेरियल है। ऐसे में राज्य सरकार को उद्योगों की पावर डिमांड और सप्लाई के लिए विशेष योजना बनानी चाहिए।
-हंसराज अग्रवाल, अध्यक्ष, जैतपुरा औद्योगिक क्षेत्र

बिजली विभाग समस्या आने पर ही समाधान तलाशता है। दूरदर्शी योजना पर काम नहीं होता। प्रदेश में अच्छी धूप और रेडिएशन से सोलर और विंड पावर 600 से 900 मेगावाट बिजली की कमी की पूर्ति कर सकते हैं। इसके लिए पारदर्शी बिडिंग प्रक्रिया से ज्यादा प्रोजेक्ट लगाने चाहिए। -सुनील बंसल, अध्यक्ष, राजस्थान सोलर एसोसिएशन

बीट द हीट कांसेप्ट पर फोकस करें : इधर, आल राज. ट्रेड एंड इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (आरतिया) ने तेज गर्मी को देखते हुए बीट द हीट कंसेप्ट पर फोकस करने की जरूरत बताई है। संगठन के चेयरमैन कमल कन्दोई व कार्यकारी अध्यक्ष प्रेम बियानी ने कहा कि मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में टास्क फोर्स बने। इसमें विभिन्न विभागों के मंत्री शामिल हों। इसकी हर पखवाड़े में बैठक हो। विशेषज्ञों से सुझाव लेकर रोड मैप बनाए। पौधरोपण की जवाबदेही सुनिश्चित की जाए।

चांदी 800 रुपए और सस्ती, सोना सुधरा

SKJ Jewellers | VAISHALI NAGAR 0141-4006001 | VIDHYADHAR NAGAR 0141-2820777

जयपुर | अमेरिका में महंगाई दर अनुमान के करीब रहने के मद्देनजर निवेशकों की खरीद निकलने से शुक्रवार को शुरुआती कारोबार के दौरान अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने में तेजी रही। इसके असर से जयपुर सर्राफा बाजार में सोना स्टैंडर्ड व 22 कैरेट जेवराती सोना 100 रुपए प्रति दस ग्राम चढ़ गया। लेकिन गुरुवार को ग्लोबल मार्केट में कीमत घटने के मद्देनजर चांदी 800 रुपए प्रति किलोग्राम और सस्ती हो गई। दूसरी तरफ, अमेरिकी वायदा एक्सचेंज कॉमेक्स में जून डिलीवरी सोना 7.50 डॉलर घटकर 2,359 तथा जुलाई डिलीवरी चांदी 0.274 डॉलर की गिरावट से 31.260 डॉलर प्रति आउंस पर ट्रेड कर रही थी। उधर, सोने की कीमत बढ़ने का असर सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड के प्रीमैच्योर रिडम्प्शन पर भी हुआ।

जयपुर सर्राफा भाव : चांदी (999) 94,600, चांदी रिफाइनरी 94,100 रुपए प्रति किलो। सोना स्टैंडर्ड 74,150 रुपए, सोना जेवराती 69,600 तथा वापसी 66,600 रुपए प्रति दस ग्राम।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में गेहूं 13% महंगा

शिकागो | खराब मौसम के चलते यूक्रेन में युद्ध के बाद से गेहूं की कीमतों में सबसे ज्यादा उछाल आया है। मई में गेहूं के इंटरनेशनल बेंचमार्क का वायदा भाव 13% चढ़ गया। ये फरवरी, 2022 के बाद एक माह में सबसे बड़ी उछाल है।

बिज़नेस ब्रीफ

सुपर स्मेल्टर्स ने टाटा पावर से किया एमओयू

कोलकाता | सुपर स्मेल्टर्स लिमिटेड ने पूर्वी भारत में नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए टाटा पावर रिन्यूएबल से एमओयू किया है। इसके माध्यम से 5 मेगावाट क्षमता का प्लांट स्थापित किया गया है। इसका उद्देश्य स्टील उत्पादन में हरित ऊर्जा का इस्तेमाल कर कार्बन उत्सर्जन कम करना है। कंपनी टीएमटी बार के अलावा स्टील ट्यूब, पाइप, स्ट्रक्चरल, एचआर कॉइल, वायर रॉड्स और अन्य उत्पाद बनाती है। कंपनी के अध्यक्ष सीताराम अग्रवाल व एमडी दिलीप अग्रवाल ने कहा कि हमारा 2030 तक अपनी ऊर्जा आवश्यकता का 50% नवीकरणीय स्रोतों से प्राप्त करने का लक्ष्य है।

उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक का 900वां आउटलेट शुरू

रांची | उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक ने झारखंड के रांची स्थित खूंटी में अपना 900वां बैंकिंग आउटलेट खोला है। इसके साथ झारखंड में बैंक के 81 बैंकिंग आउटलेट हो गए हैं। खूंटी में खोले गए नए आउटलेट में ग्राहकों को विभिन्न उत्पाद और सेवाएं मिलेंगी। बैंक का एटीएम नेटवर्क भी है। बैंक के एमडी गोविंद सिंह ने कहा कि झारखंड हमारे लिए महत्वपूर्ण राज्य है। हमारा नया आउटलेट स्थानीय उद्यमिता को बढ़ावा देगा। यह निम्न-आय व्यक्ति या समूह को व्यवसाय विकास सेवाओं के लिए माइक्रो बैंकिंग ऋण प्रदान करेगा।

आईआईएफएल समस्ता का बॉन्ड इश्यू 3 को खुलेगा

मुंबई | आईआईएफएल समस्ता फाइनेंस ने व्यवसायिक वृद्धि के लिए सिक्योर्ड बॉन्ड इश्यू के जरिए 1,000 करोड़ रुपए तक जुटाने की योजना बनाई है। इन बॉन्ड्स पर 10.50 फीसदी तक का रिटर्न दिया जाएगा। इश्यू 3 जून को निवेश के लिए खुलेगा और 14 को बंद होगा। कंपनी 200 करोड़ रुपए के बॉन्ड जारी करेगी। लेकिन कंपनी के पास 800 करोड़ रुपए तक के ओवर-सब्सक्रिप्शन को बनाए रखने के लिए ग्रीन शू विकल्प है। कंपनी के एमडी वेंकटेश एन ने कहा कि यह एनसीडी 24, 36 और 60 महीने की अवधि के लिए उपलब्ध होंगे।

ले फरसान रेस्टोरेंट शुरू

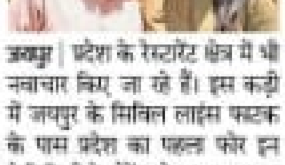

जयपुर | प्रदेश के रेस्टोरेंट क्षेत्र में भी नवाचार किए जा रहे हैं। इस कड़ी में जयपुर के सिविल लाइंस फाटक के पास प्रदेश का पहला फोर इन फॉर्मेलिटी रेस्टोरेंट ले फरसान शुरू किया गया है। ले फरसान की सीईओ नेहा माहेश्वरी और पैटर्न सुधा माहेश्वरी ने बताया कि यह भोजन के साथ कई जरूरतों को पूरा करेगा। एक ही बिल्डिंग में चार सुविधाएं होंगी। दिल्ली-मुंबई का सा अहसास कराने वाला रूफ टॉप होगा।

पांच दिन गिरने के बाद, शेयर बाजार फ्लैट बंद

बिज़नेस संवाददाता | मुंबई

एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, रिलायंस जैसे इंडेक्स हैवीवेट शेयरों में खरीदारी के चलते पांच दिन से जारी गिरावट शुक्रवार को थम गई। सेंसेक्स 76 अंकों की बढ़त के साथ 73,961 पर और निफ्टी 43 अंक चढ़कर 22,531 पर बंद हुआ। अब बाजार की निगाह शनिवार 1 जून को आम चुनाव के अंतिम चरण की वोटिंग के बाद जारी होने वाले एग्जिट पोल पर टिक गई हैं। इस बीच मई में एनएसई का इंडिया वोलैटिलिटी इंडेक्स 91.14% चढ़ा है, जो मार्च 2020 के बाद सबसे ज्यादा है। 30 अप्रैल को यह इंडेक्स 12.87 पर था। शुक्रवार 31 मई को यह 24.60 के स्तर पर बंद हुआ। इस इंडेक्स का चढ़ना बाजार में घबराहट बढ़ने का दर्शाता है। पांच दिन की गिरावट में सेंसेक्स 1,457 अंक (1.92%) और निफ्टी 437 अंक (1.90%) कमजोर हुए। 24 मई को ये 75,418 और 22,968 के स्तर पर थे।

2023-24 के लिए 1,009 कंपनियों ने 4 लाख करोड़ के लाभांश दिए

कंपनियों का मुनाफा 25% बढ़ा, पर डिविडेंड 5 साल में सबसे कम

बिज़नेस संवाददाता | मुंबई

बीते वित्त वर्ष कंपनियों के मुनाफे में करीब 25% उछाल आया। लेकिन डिविडेंड पेआउट रेश्यो 34.83% रहा, जो 5 साल में सबसे कम है। 2022-23 में ये 43.59%, जबकि 2018-19 में 34.74% था। 2023-24 के लिए अब तक 2,832 कंपनियों ने नतीजे घोषित किए हैं। इनमें से 1,009 ने ही 4.04 लाख करोड़ रुपए के डिविडेंड (लाभांश) का भुगतान किया है, जबकि इनका मुनाफा 12 लाख करोड़ रुपए के करीब है। 2022-23 में 1,151 कंपनियों ने 4.14 लाख करोड़ डिविडेंड दिया था। निफ्टी 50 की 49 कंपनियों का डिविडेंड पेआउट भी 37.1% रह गया, जो 1 साल पहले 42.5% था। जबकि इनका मुनाफा 21% बढ़ा है।

डिविडेंड देने वाली टॉप-5 कंपनियों में से 2 का पेमेंट घटा

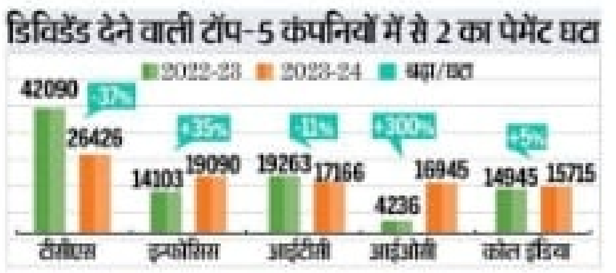

क्या है डिविडेंड पेआउट रेश्यो

कंपनियां जब मुनाफे में से कुछ हिस्सा शेयरधारकों को देती हैं तो उसे डिविडेंड कहा जाता है। डिविडेंड पेआउट रेश्यो डिविडेंड की कुल रकम में कंपनी की नेट इनकम से भाग देकर निकाला जाता है। इससे पता चलता है कि कोई कंपनी अपनी आय में से कितना हिस्सा अपने शेयरधारकों को दे रही है।

इस साल अब तक 73 फीसदी आईपीओ से 187% तक रिटर्न

मुंबई | इस साल अब तक आए आईपीओ मार्केट का रिटर्न शानदार रहा है। चुनावी माहौल और अनिश्चितता के बावजूद 2024 के पहले 5 महीने में 30 नए शेयर बाजार में लिस्ट हुए। इनमें से 22 यानी करीब 73% ने निवेशकों को 187% तक कमाई कराई। सिर्फ 8 आईपीओ इश्यू प्राइस से कम भाव पर ट्रेड कर रहे हैं। इस साल लॉन्च हुए कुल 30 आईपीओ में से 8 ने 40% से लेकर 187% तक रिटर्न दिए। 14 अन्य आईपीओ का रिटर्न भी 20% तक रहा। ज्योति सीएनसी ऑटोमेशन 2024 में शेयर बाजार में लिस्ट होने वाली पहली कंपनी के साथ ही सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाला आईपीओ भी है। इसने अब तक निवेशकों को 187% रिटर्न दे दिया है। कंपनी के शेयर ने इश्यू प्राइस 331 रुपए की तुलना में शुक्रवार को 951 रुपए पर ट्रेड किया।

इनसे 90% तक रिटर्न

आईपीओ	रिटर्न
बीएलएस ई-सर्विसेज	89%
एक्सिकॉम टेली सिस्टम	80%
भारती हेक्साकॉम	74%
विभोर स्टील ट्यूब्स	71%
जेजी केमिकल्स इंडिया	55%
टीबीओ टेक	54%
उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक	40%

इन कंपनियों के आईपीओ का रिटर्न भी पॉजिटिव

आईपीओ	रिटर्न
जुनिपर होटल्स	20%
नोवा एग्रीटेक	20%
मुक्का प्रोटीन	19%
मेडी असिस्ट हेल्थकेयर	17%
एपीजे सुरेंद्र पार्क होटल्स	17%
ईपैक ड्यूरेबल	14%
पॉपुलर व्हीकल्स	14%

आठ बुनियादी उद्योगों की ग्रोथ बढ़कर 6.20 फीसदी

नई दिल्ली | देश के आठ बुनियादी उद्योगों का उत्पादन अप्रैल में 6.2 फीसदी बढ़ा। मार्च में इनकी (कोर सेक्टर) ग्रोथ 6 फीसदी और पिछले साल अप्रैल में 4.60 फीसदी थी। शुक्रवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, अप्रैल में खाद का उत्पादन घटा, जबकि कोयला, स्टील और सीमेंट सेक्टर की ग्रोथ सुस्त रही। कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी प्रोडक्ट्स, खाद, स्टील, सीमेंट और बिजली बुनियादी उद्योगों में गिने जाते हैं। देश के औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में इन सभी की कुल हिस्सेदारी 40.27 फीसदी है।

उद्यम व्यापार का द इस्त्री प्रोजेक्ट लॉन्च हुआ

जयपुर | उद्यम लर्निंग फाउंडेशन की पहल उद्यम व्यापार ने जयपुर में द इस्त्री प्रोजेक्ट लॉन्च किया है। इसका उद्देश्य स्थानीय प्रेस वालों को लाभ पहुंचाना है। इसके जरिए कोयले वाली प्रेस की बजाय एलपीजी प्रेस अपनाने को प्रेरित किया जा रहा है। इसके लिए मानसरोवर में आयोजित कार्यक्रम में 50 से अधिक एलपीजी प्रेस दी गईं। इसके साथ प्रेस वालों के बीच जागरूकता के लिए प्रेसवाला एक्सप्रेस का उद्घाटन किया गया। उद्यम की प्रोग्राम लीड सिरिल जोसेफ ने कहा कि इस्त्री प्रोजेक्ट सफल रहा है। इससे बेंगलुरु और चेन्नई में लगभग 6000 प्रेस वालों को लाभ हुआ।

टेम्बो ग्लोबल का लाभ बढ़ा

नई दिल्ली | वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान टेम्बो ग्लोबल इंडस्ट्रीज लिमिटेड की परिचालन से आय 432.07 करोड़ रुपए रही। इस दौरान कंपनी का लाभ बढ़कर 14.20 करोड़ रुपए हो गया। वहीं, वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में कंपनी का वित्तीय प्रदर्शन बेहतर रहा। कंपनी के एमडी संजय पटेल ने कहा कि हमारे मजबूत वित्तीय बुनियादी तत्व बेसिक ईपीएस और डाइल्यूटेड ईपीएस में नजर आते हैं। हम आगे के अवसरों को लेकर उत्साहित हैं। नवाचार को बढ़ावा दे रहे हैं।

यूफ्लेक्स की बिक्री में 6.8 फीसदी बढ़ोतरी, दो नए प्लांट शुरू किए

नई दिल्ली | बहुराष्ट्रीय फ्लेक्सिबल पैकेजिंग व सॉल्यूशन कंपनी यूफ्लेक्स लिमिटेड का पानीपत में पीईटी चिप्स प्लांट और मैक्सिको व मिस्र में पेस्ट कंज्यूमर रिसाइकिलेट प्लांट शुरू हो गया है। इससे कंपनी कच्चे माल के मामले में आत्मनिर्भर हुई है। मौजूदा वित्त वर्ष में मिस्र में एक पीईटी चिप्स प्लांट और शुरू किया जाएगा। कंपनी के सीएफओ अशोक चतुर्वेदी ने कहा कि नए प्लांट शुरू करने के साथ कंपनी के लिए वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही भी बेहतर साबित हुई। इस दौरान कंपनी ने 3496.7 करोड़ रुपए का राजस्व अर्जित किया है। यह तिमाही दर तिमाही 4.5 और सालाना आधार पर 3 फीसदी ज्यादा है। समीक्षावधि में कंपनी का ईबीआईटीडीए 455 करोड़ रुपए रहा। इसमें तिमाही आधार पर 6.9 और सालाना आधार पर 6.3 फीसदी वृद्धि रही। ईबीआईटीडीए मार्जिन भी पूर्व वर्ष की समान अवधि के मुकाबले 13 फीसदी बढ़ा है। उधर, कंपनी के बैठक में निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 10 फीसदी लाभांश को मंजूरी दी है।

मीठे पेय पदार्थ की बजाय सही ओआरएस के उपयोग की सलाह

नई दिल्ली | विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने चिलचिलाती गर्मी के कारण भारत में गर्मी के मद्देनजर बच्चों में डिहाइड्रेशन की समस्या के निपटने के लिए मीठे पेय की बजाय ओआरएस का उपयोग करने की सलाह दी है। इसके लिए जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया गया। इस मौके पर इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स के सदस्य डॉ. आलोक गुप्ता ने कहा कि बढ़ते तापमान के साथ उचित ओआरएस का चयन करने की जरूरत है। सही ओआरएस का चयन करना महत्वपूर्ण है। ओआरएस और मीठे पेय के बीच अंतर को समझना होगा।

भास्कर खास • 2030 तक 2.75 लाख करोड़ का होगा सस्टेनेबल फैशन का बाजार

सिगरेट के बट से बन रही जीन्स; एक बनाने में 600 बट्स का हो रहा इस्तेमाल, पर्यावरण की भी मदद

एजेंसी | लंदन

पूरी दुनिया में पर्यावरण को बचाने के लिए तरह-तरह के उपाय किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में एक ऐसी पहल हुई, जिससे पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले दो मुद्दों का कुछ समाधान हो सकता है। यह पहल है सिगरेट के बट यानी फिल्टर के रेशों से जीन्स बनाने की। हालांकि सिगरेट जीन्स एक तरह की स्ट्रेट फिटिंग वाली जीन्स को भी कहते हैं लेकिन ये एनवायरनमेंट फ्रेंडली प्रोडक्ट पूरी तरह सिगरेट के फेंके गए बट से बनाई जा रही है।

हाल ही में भारत में दुनिया की पहली ऐसी जीन्स लॉन्च की गई है। दावा है कि एक जीन्स बनाने में करीब 600 बट से निकले रेशों का इस्तेमाल किया जाता है। ये बट आमतौर पर प्लास्टिक से बने होते हैं, जो डीकम्पोज होने में बहुत लंबा समय लेते हैं और नालों, नदियों और समुद्र में प्रदूषण फैलाते हैं। सस्टेनेबल प्रोडक्ट बनाने की दिशा में काम कर रही कंपनी कोड एफर्ट के फाउंडर नमन गुप्ता कहते हैं कि दुनियाभर में हर साल करीब 4.5 लाख करोड़ सिगरेट बट फेंके जाते हैं। भारत में यह आंकड़ा करीब 10 हजार करोड़ बट सालाना का है। देश भर में करीब 250 शहरों से सिगरेट के बट जमा करके उन्हें साफ किया जाता है ताकि उसमें से सारे हानिकारक केमिकल निकल जाएं। इसके बाद इन्हें फैक्टरी में भेजकर इनसे यार्न बनाया जाता है। इस यार्न से ही डेनिम जीन्स बनाई जाती है। यहां यह जानना जरूरी है कि आमतौर पर एक जीन्स बनाने में 33 से 80 किलोग्राम तक कार्बन डाइऑक्साइड के बराबर प्रदूषण फैल सकता है। कपड़ा उद्योग दुनिया में प्रदूषण फैलाने में बहुत बड़ा योगदान देता है। खासतौर पर जीन्स निर्माण में कपास उगाने से लेकर कटाई, रंगाई जैसे काम में बहुत प्रदूषण फैलता है। डेनिम इंडस्ट्री हर साल करीब 50,000 टन सिंथेटिक इंडिगो और 84,000 टन से ज्यादा सोडियम हाइड्रोसल्फाइट जैसे हानिकारक केमिकल का उपयोग करती है। दुनिया के प्रदूषण में फैशन इंडस्ट्री का करीब 9% योगदान है। यही वजह है कि सस्टेनेबल फैशन की डिमांड तेजी से बढ़ रही है।

2021-26 के बीच सालाना 10.6% ग्रोथ की उम्मीद

कोहेरेंट मार्केट इनसाइट के मुताबिक, दुनिया का सस्टेनेबल यानी पर्यावरण हितैषी फैशन मार्केट 2030 तक सालाना 22.9% ग्रोथ के साथ 2.75 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच जाएगा। 2023 में ये 65 हजार करोड़ रुपए का था। इस साल ये 80 हजार करोड़ का आंकड़ा पार कर जाएगा। रिसर्चएंडमार्केट्स की एक रिपोर्ट कहती है कि भारत में सस्टेनेबल फैशन मार्केट 2021-26 के बीच हर साल 10.6% बढ़ने की उम्मीद है। ग्लोबल डेटा के मुताबिक, भारतीय ग्रीन फैशन मार्केट ने 2023 में 10,000 करोड़ रुपए से ज्यादा कमाई की।